विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा -षष्ठ **दिनांक -24-06-2020**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

सुप्रभात बच्चों आज अनुस्वार बिंदु के बारे में अध्ययन करेंगे,

अनुस्वार (बिंदु)

अनुस्वार (बिंदु) की परिभाषा

बिंदु (अनुस्वार) वे शब्द जिनका उच्चारण नाक से होता है, उन्हे अनुस्वार कहते हैं। जैसे = पंख। अनुस्वार एक उच्चारण की मात्रा है, जो अधिकांश भारतीय लिपियों में प्रयुक्त होती है। अनुस्वार स्वर के बाद आने वाला व्यंजन है। इसकी ध्वनि नाक से निकलती है।, अतः इसे नसिक या अनुनासिक कहते हैं। इसको कभी-कभी म (और अन्य) अक्षरों द्वारा भी लिखते हैं। इसका प्रयोग पंचम वर्ण के स्थान पर होता है।इसका चिन्ह (ं) है।जैसे- सम्भव=संभव, सञ्जय=संजय, गङ्गा=गंगा।

जैसे: कंबल ~ कम्बल; इंफाल ~ इम्फाल इत्यादि। देवनागरी में इसे, उदाहरण-स्वरूप, क पर लगाने से कं लिखा जाता है।

पंचम वर्णों के स्थान पर

अनुस्वार (ं) का प्रयोग पंचम वर्ण (ङ्, ञ्, ण्, न्, म् - ये पंचमाक्षर कहलाते हैं) के स्थान पर किया जाता है।

जैसे -

गङ्.गा - गंगा

चञ्चल - चंचल

झण्डा - झंडा

गन्दा - गंदा

कम्पन – कंपन

अनुस्वार शब्द

धूल- सुन्दर, पंक्ति, चकाचौंध, श्रृंगार, संसर्ग, वंचित, गंध, उपरांत, सौंदर्य, संस्कृति।

दुःख का अधिकार- बंद, बंधन , पतंग, संबंध, ज़िंदा, नंगा, अंदाज़ा, संभ्रांत।

एवरेस्ट मेरी शिखर यात्रा- कैंप, अधिकांश, संपूर्ण, सुन्दर, रंगीन, तंबू, नींद, ठंडी, पुंज, हिमपिंड, अत्यंत, कुकिंग, सिलिंडर, चिंतित, कौंधा, शंकु, लंबी, आनंद।

कीचड़ का काव्य- पसंद, गंदा, रौंदते, सींगो, खंभात, पंकज, कंठ।

धर्म की आड़- भयंकर, प्रपंच, शंख।

शुक्रतारे के समान- मंडल, मंत्री, सौंप, संक्षिप्त, अंग्रेजी, प्रशंसक, संचालक, ग्रंथकार, धुरंधर, संपन्न।

अनुस्वार और अनुनासिका में अंतर -----

1- अनुनासिका स्वर है जबकि अनुस्वार मूलत: व्यंजन।
2- अनुनासिका (चंद्रबिंदु) को परिवर्तित नहीं किया जा सकता, जबकि अनुस्वार को वर्ण में बदला जा सकता है।.
3- अनुनासिका का प्रयोग केवल उन शब्दों में ही किया जा सकता है जिनकी मात्राएँ शिरोरेखा से ऊपर न लगीं हों।
जैसे अ , आ , उ ऊ ,
उदाहरण के रूप में --- हँस , चाँद , पूँछ

4. शिरोरेखा से ऊपर लगी मात्राओं वाले शब्दों में अनुनासिका के स्थान पर अनुस्वार अर्थात बिंदु का प्रयोग ही होता है. जैसे ---- गोंद , कोंपल, जबकि अनुस्वार हर तरह की मात्राओं वाले शब्दों पर लगाया जा सकता है.

जब अनुस्वार को व्यंजन मानते हैं तो इसे वर्ण में किन नियमों के अंतर्गत परिवर्तित किया जाता है....इसके लिए सबसे पहले हमें सभी व्यंजनों को वर्गानुसार जानना होगा.....।

(क वर्ग) क , ख ,ग ,घ ,ड.
(च वर्ग) च , छ, ज ,झ , ञ
(ट वर्ग) ट , ठ , ड ,ढ ण
(त वर्ग) त ,थ ,द , ध ,न
(प वर्ग) प , फ ,ब , भ म
य , र .ल .व
श , ष , स ,ह

यहाँ अनुस्वार को वर्ण में बदलने का नियम है कि जिस अक्षर के ऊपर अनुस्वार लगा है उससे अगला अक्षर देखें ....जैसे गंगा ...इसमें अनुस्वार से अगला अक्षर गा है...ये ग वर्ण क वर्ग में आता है इसलिए यहाँ अनुस्वार क वर्ग के पंचमाक्षर अर्थात ङ में बदला जायेगा.

शेष कल अध्ययन कराया जाएगा।